Importance of the Terms of Trade

व्यापार की शर्तें किसी देश के लिए बहुत महत्व है क्योंकि इनका देश के आर्थिक विकास की प्रकृति एवं सीमा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। व्यापार की शर्तों का देश के आय और वितरण पर भी प्रभाव पड़ता है विदेशी व्यापार से प्राप्त होने वाले लाभ भी व्यापार की शर्तों पर निर्भर रहता है। प्रतिष्ठित एवं नव प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों ने अपने विदेशी व्यापार के विवेचन में व्यापार की शर्तों का उल्लेख किया। विदेशी व्यापार में व्यापार की शर्तों के बहुत अधिक महत्व हैं इन महत्वों को हम निम्नलिखित बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं

① विदेशी व्यापार से लाभ का निर्धारण — व्यापार की शर्तों से विदेशी व्यापार का लाभ निर्धारण होता है। बाटरकन के अनुसार "आयात एवं निर्यात करने वाले देशों के बीच लाभ का वितरण प्रचलित व्यापार की शर्तों द्वारा निर्धारित होता है। किसी देश के लिए व्यापार की शर्तें जितनी अधिक अनुकूल होंगी उतना ही अधिक उस देश को व्यापार से लाभ होगा"।

② साधनों के पुरस्कार और रोजगार का प्रभाव — व्यापार शर्तें देश में साधनों के रोजगार एवं उनके पुरस्कार को प्रभावित करती हैं। जब एक देश की व्यापार शर्तों में सुधार होता है तो उसके निर्यात उद्योग प्रोत्साहित होते हैं जिसके फलस्वरूप उन उद्योगों में कार्यरत उत्पत्ति के साधनों की माँग बढ़ती है जिससे रोजगार में वृद्धि होती है और साथ ही उन उद्योगों में साधनों का पुरस्कार बढ़ता है। और व्यापार की शर्तों के प्रतिकूल रहने पर रोजगार में कमी आती है और साधनों का पुरस्कार भी घटता है।

③ जीवन स्तर का अनुमान — किसी देश के लिए अनुकूल व्यापार की शर्तों का तात्पर्य है कि वह निश्चित निर्यात वस्तुओं के बदले में अधिक वस्तुओं का आयात कर सकता है। व्यापार की शर्तें अनुकूल होने पर उपभोग की अधिक वस्तुएँ उपलब्ध होने से लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि होती है। और व्यापार की शर्तें प्रतिकूल रहने से जीवन स्तर नीचे गिरता है। जिस देश के कुल उत्पादन में विदेशी व्यापार का प्रतिशत अधिक होता है वहाँ व्यापार की शर्तों का विदेशी व्यापार से लाभ और जीवनस्तर का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

④ आर्थिक विकास में सहायता — व्यापार की शर्तों का देश के आर्थिक विकास पर भी प्रभाव पड़ता है। एक देश की व्यापार की शर्तों में सुधार होने से विदेशी बाजार में उसकी क्रयशक्ति बढ़ती है जो

Ajanta Oxford

Scanned with CamScanner

उसके आर्थिक विकास में सहायक होती है। व्यापार शर्तों में सुधार होने से देश निश्चित निर्यात के बदले अधिक वस्तुओं का आयात कर सकता है जिससे निर्यात उद्योगों एवं आयात प्रतियोगी उद्योगों में जितने साधन अन्य विकास कार्यों के लिए उपलब्ध होते हैं उतनी ही मात्रा में देश में विकास की क्षमता बढ़ती है। निर्यात वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने से देश में विदेशी पूंजी अधिक मात्रा में उपलब्ध होती है जो आर्थिक विकास में सहायक होती है।

⑤ विदेशी विनिमय सम्बन्धी आवश्यकता का अनुमान — व्यापार के आधार पर विदेशी विनिमय की आवश्यकता का अनुमान लगाया जा सकता है। व्यापार शर्तें हमारे सामने निर्यात मूल्य और आयात मूल्य की तुलनात्मक स्थिति का विवरण प्रस्तुत करती हैं और इसके आधार पर